Roll No. ..... Total Pages : 3

LMDQ/D-23 **10897**

YOGA AS APPLIED PHILOSOPHY–I

Paper–PHI-SC-A-305

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

Note : Attempt *five* questions in all, selecting *one* question from each unit. Question No. 9 is compulsory. All questions carry equal marks.

नोट : प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या 9 अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

UNIT–I (इकाई–I)

1. Discuss meaning, definition and origin of yoga in detail. 16

योग के अर्थ, परिभाषा और उद्भव का विस्तृत विवेचन करें।

2. Discuss nature of Purush according to Sankhya Philosophy. 16

सांख्य दर्शन के अनुसार पुरुष के स्वरूप का विवेचन करें।

UNIT–II (इकाई–II)

3. Elaborate Sankhya's theory of Illusion. 16

सांख्य के भ्रम सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

4. There is evolution in Prakriti. Explain how ? 16

प्रकृति में विकास है। व्याख्या करें कैसे?

UNIT–III (इकाई–III)

5. 'Yogaschtvritinirodh'– Explain it. 16

योगश्चिवृतिनिरोध– इसकी व्याख्या करें।

6. Explain Yama in detail. 16

यम की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

UNIT–IV (इकाई–IV)

7. Explain different kinds of Asanas with their effect. 16

आसनों के विभिन्न प्रकारों की इसके प्रभावों के साथ व्याख्या करें।

8. What are the benefits of Pranayama ? Explain. 16

प्राणायाम की क्या उपयोगिता है? व्याख्या करें।

UNIT–V (इकाई–V)

Compulsory Question (अनिवार्य प्रश्न)

9. State whether the following statements are True or False :

(a) The founder of Yoga Philosophy was Patanjali.

(b) Prikriti has two guna.

(c) Mahavira was the founder of Sankhya Philosophy.

(d) Tapas are three is number.

(e) Yama is second parts of yoga.

(f) Niyama are four in number.

(g) Third part of Yoga is Asana.

(h) Rechak is a part of Pranayama.

बताए कि निम्न कथन सत्य हैं या असत्य :

(क) योगदर्शन के प्रवर्तक पतंजलि थे।

(ख) प्रकृति के दो गुण हैं।

(ग) सांख्य दर्शन के प्रणेता महावीर थे।

(घ) तप संख्या में तीन हैं।

(ङ) यम योग का दूसरा भाग है।

(च) नियम संख्या में चार हैं।

(छ) योग का तीसरा भाग आसन है।

(ज) रेचक प्राणायाम का एक भाग है।